संगच्छध्वं संवदध्वं सं वो मनांसि जानताम्।

शाश्वत हिंदू

SHASHWAT DEVALAY

MANDIR ECOSYSTEM
धर्मस्य मूलं अर्थः

Shashwat Hindu Pratishthan

शाश्वत हिंदू प्रतिष्ठान

Shashwat Hindu is an organisation of all Sanatan is worldwide who have a string will to strive for the betterment of Sanatani across the globe, irrespective of the sect or stream of Sanatan that they follow. Here we refer to all those sects and subsects of Sanatan that have originated from Bharat since ages.

Shashwat Hindu holds a strong disbelief against any discrimination or distortion based on caste, language, gender or region.

शाश्वत हिन्दू ऐसे निष्ठावान सनातनियों का संगठन है, जिनके मन में सनातन धर्म एवं धर्माधारित विश्व के हित के लिये सक्रीयता का भाव है, फिर चाहे वह किसी भी क्षेत्र, संप्रदाय या किसी भी सनातन मतावलंबियों में सक्रिय क्यों न हो।

शाश्वत हिन्दू, हिंदू समाज में प्रविष्ट, जाति, क्षेत्र, भाषा, लिंग आदि की विभाजन और विभेदकारी विकृतियों का संगठन पूर्णत: निषेध करता है।

1. Reawakening of Dharma Bodh (sense of Dharma) & Shaurya Bodh (sense of valour) in Sanatan Hindu society.

2. Once again make temples the epi-centre of social activities and transform these into centres of devotion and congregation of Hindus. Move ahead from the "I" concept to the "We" concept i.e. "Vasudhaiv Kutumbakam".

3. We believe that Present shapes the Future. Hence, we emphasise on exploring immense talent among Sanatani youth in various life aspects from within the Sanatani Hindu Society and connect them with the massive nation-building initiatives.

4. Connecting the new generation with the glorious past of Sanatan Hindu Samaj and our ancestors, by use of extensive modern means of communication & media.

5. Re-establishing of Sanatan Economy Model & Mandir EcoSystem for nation building.

1. सनातन हिन्दू समाज में धर्म बोध और शौर्य बोध के पुनर्जागरण के पराक्रम का संकल्प।

2. हिंदू मंदिरों को सामाजिक सक्रियता के केंद्र के रूप में विकसित कर उनको भक्ति और शक्ति केंद्र बनाने का संकल्प। समाज में मैं से हम के लिए प्रेरित करना - वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना से कार्य करना।

3. सनातन हिन्दू समाज के हर क्षेत्र के प्रतिभाशाली युवक / युवतियों की खोज कर उन्हें प्रोत्साहित करना और राष्ट्र निर्माण के व्यापक अभियान से जोड़ना।

4. आधुनिक संचार माध्यमों का व्यापक उपयोग कर, सनातन समाज के गौरवशाली अतीत और अपने पूर्वजों के पराक्रम से नई पीढ़ी का परिचय कराना।

5. सनातन आर्थिकी की पुनर्स्थापना और मंदिर पारिस्थिकी के अनुरूप राष्ट्र निर्माण।

धार्मिक-सामाजिक कार्यों का संचालन करे मंदिर

hindushashwat

hindu_shashwat

shashwathindu

SHASHWAT DEVALAY

सनातन का प्राण मंदिर, भक्ति से शक्ति केंद्र बने

- मंदिर सामाजिक गतिविधियों के केंद्र बनें।
- अधिकाधिक परिवारों को मंदिर से जोड़ा जाय।
- धार्मिक, पारंपरिक और राष्ट्रीय आयोजन मंदिरों में आयोजित हों।
- श्रद्धालुओं को धर्म कार्य एवं समाज कार्य हेतु समय दान के लिए प्रेरित किया जाय।
- स्थानीय उत्पादकों, कुशल कारीगरों और कलाकारों को मंदिर से जोड़ा जाय और प्रोत्साहित किया जाय।
- उपार्जन के विभिन्न आयाय एवं अवसरों का निर्माण हो।
- मंदिर में सरकारी, गैर सरकारी कल्याणकारी योजनाओं और प्रकल्पों के सूचना एवं सुविधा केंद्र बनें।

हमारा मंदिर, हमारी पहचान

हर मंदिर को समाज शक्ति के रूप में विकसित करना और मंदिर के हर भक्त को सामाजिक कार्य हेतु प्रेरित करना ताकि हर मंदिर शाश्वत देवालय बन सके।

मंदिरों को सामाजिक गतिविधियों का केंद्र बनाने का प्रयास इसलिए आवश्यक है, क्योंकि अतीत में धर्मसत्ता, समाजसत्ता, राजसत्ता और अर्थसत्ता का संचालन मंदिरों से ही होता रहा है। इसी कारण इस्लामी आक्रमणकारियों और अंग्रेजों ने इस व्यवस्था को व्यवस्थित रूप से नष्ट किया, और स्वतंत्रता के बाद आई तथाकथित धर्मनिरपेक्ष सरकारों ने हमारी वर्तमान पीढ़ी को इससे पूरी तरह दिग्भ्रमित कर मंदिरों को हमारी सामाजिक गतिविधियों और जनकल्याण के "नोडल पॉइंट" (केंद्र) के रूप में विकसित करना, उन्हें सशक्त बनाना और उनमें समन्वय स्थापित करना आवश्यक है। हमें मंदिरों को भक्ति केंद्र से बदलकर सामाजिक गतिविधियों का केंद्र बनाना होगा, शक्ति केंद्र स्वतः बन जाएगा।

जिसका मुख्य उद्देश्य सभी को शरीर, मन और आत्मा के लिए कई प्रकार के लाभ वाली सामुदायिक सेवायें प्रदान करना है मंदिरों को केवल भक्ति केंद्र न मानकर, उन्हें सामुदायिक सेवा और सामाजिक चेतना के शक्ति केंद्र के रूप में विकसित करना होगा।

पूजनीय विजय कौशल जी महाराज जी के आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन से हम लोग विगत 4 वर्षों में 50 से अधिक शहरों में 200 से अधिक सभा, कार्यक्रम, बैठक आयोजित किए और 100 से अधिक ऑनलाइन बैठकें के साथ-साथ १५ से अधिक आवासीय प्रशिक्षण एवं प्रेरणा बैठकें की।

जीवन का आनंद, मंदिर के संग

shashwatdevalay@gmail.com facebook.com/groups/shashwatdevalay/

राष्ट्र निर्माण के काम, एक घंटे मंदिर के नाम

भारतीय समाज का मूलाधार मंदिर

श्रेष्ठ समर्पण, मंदिर में समय का अर्पण

स्वावलंबी मंदिर, स्वावलंबी हम

उत्सव का आनंद, मंदिर के संग

- हवन
- अभिषेक
- वेद-पुराण ज्ञान
- होली-दिवाली मिलन
- जन्माष्टमी
- रामनवमी
- हनुमान जयंती

- जन्मदिवस
- सगाई विवाह
- वैवाहिक वर्षगांठ
- अन्य संस्कार

- स्वतंत्रता दिवस
- गणतंत्र दिवस
- मकर संक्रांति

facebook.com/groups/shashwatdevalay/

सहयोगी संगठन के रूप में अध्ययन एवं अध्यात्मिक यात्रायें:

यात्रायें	Exposure
गंगा यात्रा, २०२० ऋषिकेश से गंगासागर	**दुरी:** १५,०००+ कि.मी | **बैठक एवं सभा:** २५०+
नर्मदा यात्रा, २०२१ अमरकंटक - भरूच - अमरकंटक	**प्रेस-मीडिया संबोधन एवं वार्ता:** २०+
यमुना यात्रा, २०२२ विकासनगर से प्रयागराज	**पड़ाव, बैठक एवं सभा:** शहर ७०+ और गाँव ६०+
	गौशाला दर्शन एवं विश्राम: १६+ | **कृषि पर्यावरण:** ४०+
	कुल दिवस: ९०+ **राज्य:** १५+ | **जिला:** ७५+
	मंदिर, घाट - दर्शन, पूजन एवं निरिक्षण: १००+

भक्ति-शक्ति यात्रा, २०२५: माँ ज्वाला देवी, हिमाचल प्रदेश से पशुपतिनाथ, मध्य प्रदेश

राज्य: ६ \| **बैठक एवं सभा:** ५६ + \| **दुरी:** 3000+ कि.मी \| **स्वागत पड़ाव:** २८+
गुरुद्वारा: ५ \| **मंदिर दर्शन, पूजन, आरती:** ७०+ \| **मठ-डेरा:** ३ \| **दिन:** १३
शोभा यात्रा: १५ \| **सह-यात्री:** ७५+ \| **दर्शनार्थी:** ५ लाख से अधिक
विशेष दर्शन: श्री वाल्मीकि मंदिर, संत रविदास मंदिर, श्री आंबेडकर स्थली

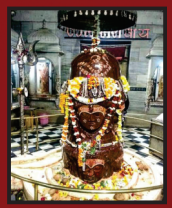

Sri Aurobindo Samman | श्री अरबिंदो सम्मान

नाम नहीं, काम को सम्मान

श्री अरबिंदो जी

महर्षि श्री अरबिंदो का जीवन 'एक भारत - श्रेष्ठ भारत' का एक अनुपम प्रतिबिंब है। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व माता भारती की एकता और भारत वर्ष की सांस्कृतिक श्रेष्ठता को अभिव्यक्त करता है। महर्षि श्री अरबिंदो एक प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी, कवि-दार्शनिक, आधुनिक विचारक, उच्च चेतनायुक्त और समझौता न करने वाले राष्ट्रवादी महापुरुष थे। उनके व्यक्तित्व और कृतित्व के प्रकाश से दुनिया में भारत की सकारात्मक नेतृत्वकारी भूमिका की स्थापना हुई। श्री अरबिंदो का जन्म बंगाल में हुआ था, लेकिन उन्होंने अपना अधिकांश जीवन गुजरात और पुडुचेरी में बिताया। इंग्लैंड में शिक्षा ग्रहण करने और वैश्विक यात्रा के बाद भारत लौटने पर श्री अरबिंदो कई भाषाओं में पारंगत हो चुके थे। उन्होंने कई ग्रंथों का अध्ययन किया। श्री अरबिंदो ने रामायण, महाभारत और उपनिषद से लेकर कालिदास, भवभूति और भर्तृहरि के ग्रंथों का भी अनुवाद किया था। श्री अरबिंदो की वैचारिक स्पष्टता, सांस्कृतिक शक्ति और देशभक्ति ने उन्हें स्वतंत्रता आंदोलन के सेनानियों के लिए एक आदर्श और प्रेरक मार्गदर्शक बनाया।

'श्री अरबिंदो सम्मान' का लक्ष्य माता भारती के गौरव को बढ़ाने वाले, सनातन धर्म संस्कृति की रक्षा और पोषण करने वाले विविध दृष्टिकोण के व्यक्तियों और संगठनों को प्रोत्साहन प्रदान करने वाला एक प्रयास है। जैसा कि श्री अरबिंदो के जीवन दर्शन और उनके द्वारा लिखित साहित्य से अभिव्यक्त होता है। कोई भी व्यक्ति श्री अरबिंदो सम्मान हेतु जानकारी वाले सज्जन का निम्न श्रेणी में नामांकन कर सकते हैं:

https://shashwathindu.com/nomination

श्री अरबिंदो सम्मान श्रेणी:

1. **प्रकृति की समृद्धि:** संरक्षण, संवर्द्धन, शैक्षिक सक्रियता
2. **धर्म का पालन:** गौ सेवा, धर्म रक्षा, ज्ञान, अध्यात्म
3. **समाज की सेवा:** सेवा, शिक्षा, संस्कार, स्वरोजगार
4. **संस्कृति का संरक्षण:** कला-संगीत, योग-साधना, साहित्य

MyINDIA JAI HIND MyGLORY

https://shashwathindu.com/nomination

• Sri Aurobindo Samman, 2023 •

• Sri Aurobindo Samman, 2024 •

• Sri Aurobindo Samman, 2025 •

Bharatiya Economic Model

भूत - वर्तमान - भविष्य । विमर्श - शोध - मंथन

• समर्थ भारत, समृद्ध भारत | अहिंसक समृद्धि, भारत मूलम् •

We have 127 Agro-climatic zones, Bharat has 8 major rivers and more than 400 subsidiary rivers, having 20% of the biodiversity, having coastline of over 11,000 Km. We have all four seasons in country but Bharat has 4% of world fresh water resources and country has 18% of world population and fact is until 18th century we use to contribute 25% - 30% in world GDP.

In ancient Bharat, Mandirs were responsible for Education, Medical, Trade and Commerce, Skill Development, and Financial Support. Presently, we have more than 5,000 large highly prosperous, more than 2 lakhs medium prosperous, and more than 3 lakhs small economy revenue generating Mandirs in Bharat. We believe now the time has come as the world is looking at Bharat for taking on the role of a 'VishwaGuru'. We must explore the vital role of Mandirs in the country's development both with a physical and a spiritual action plan with a long-term initiative i.e. Possible Role of Mandir, Understanding Mandir Money in Current Perspective & Usages and Mandir Ecosystem.

mandirecosystem

• Step Forward: विचारधारा नहीं, जीवन पद्धति •

What are the measures needed to be taken at Family Level, Society Level, Industry Level, Mandir Level, Policy Level – Central and State Government? Can Mandir's involvement and engagement play a vital role in becoming VishwaGuru? Family's role in Revenue Generation, Wealth Creation, Economic Mobilization, Socio-Finance, Research scholars, Professors, and Head of the departments, Chamber of Commerce, Trade & Industrial Associations.

How education institution can understand basic Business Ecosystem of Bharat? Synergy between Start-Up Bharat, Vocal for Local, Industry, and Trade and Commerce along with Service Industry associated with it. How to strengthen and synchronization and optimization of government policy for betterment of Bhartiya Samaj?

• Our Role: शोध, विमर्श, संवाद •

The most trusted path in Bhartiya Tradition is a healthy discussion with an open mind based on historical references, research facts and pieces of evidences.

I. **Inviting ideas:** Practical and executable idea as research papers and presentation
ii. **Formats:** Dialog, Presentations, Discussion Forum, Conference and Round Table
iii. **Target & Niche:** Mandir Management, Social Organization, Intellectuals, Research Scholars, Scholars, Professors, Consultants, Influencers and Policy Makers, Skill Development, Infrastructure Development, Industrial Development, Natural Resources Allocation, Niti Aayog etc.
iv. **Creating Industry & Business Opportunities:** Networking, Promotion & Showcasing: Continuous and consistent business opportunity showcasing events in Mandir, Creating Business Networking Groups and Events in Mandir, Business Exploration Events in Mandir.

प्रोफसर आर्य भूषण शुक्ल, अध्यक्ष

मार्गदर्शन | संरक्षण | सलाह

श्री विजय कौशल जी महाराज	आचार्य श्री लोकेश मुनि जी	श्री अद्रुश्य काधसिद्धेश्वर स्वामी जी
श्री नारायण गिरी जी महाराज	श्री पवन सिन्हा गुरु जी	निहंग संत श्री बाबा हरजीत सिंह जी
श्री रामेश्वर मिश्र पंकज जी	श्री सुदेश अग्रवाल	डॉ. दीपक जैन
श्री चन्द्रकान्त सालुंखे	कैप्टेन सिकंदर रिज़वी	श्रीमती माधवी लता
श्री राजीव कुमार	श्री चंद्र प्रकाश चौहान	श्री भगवान लाल सोनी
श्री सतीश चंद्रा	श्री मनोज लोहिया	श्री प्रवीण शर्मा
श्री अमित पाण्डेय	श्री अरविन्द शर्मा	श्रीमती मानोशी सिन्हा
श्री संदीप सिंह	श्री अजीत सक्सेना	श्री दीपक हस्तीर
मिस्टर साविियो रोड्रिग्स	श्री किशोर मोहता	डॉ. अंकित शाह
श्री परितोष अग्रवाल	डॉ. के के गुप्ता	

नेतृत्व: उपाध्यक्ष, महामंत्री, संगठन मंत्री, संयोजक, मंत्री, समन्वयक

डॉ. कुसुम लता केडिया वरिष्ठ उपाध्यक्ष	डॉ. भोलाराम गुर्जर उपाध्यक्ष	श्रीमती पूर्णिमा शर्मा उपाध्यक्ष	डॉ. योगी अनूप नाथ उपाध्यक्ष
श्री रमेश आर्य उपाध्यक्ष	श्री संजय शर्मा उपाध्यक्ष	श्री राजेश राय उपाध्यक्ष	श्री संजय शर्मा महामंत्री
श्री प्रशांत कोतवाल संगठनमंत्री	श्री रवि कटारिया सह–संगठनमंत्री	श्री मनोज शर्मा कोषाध्यक्ष	श्री के. डी. पाठक संयोजक
श्रीमती जया कपाले संयोजक	श्री राजू मार्शिया संयोजक	डॉ. चन्द्रहंस चव्हाण मंत्री	श्री राकेश मुद्गल मंत्री
श्री अंशुमन डोगरा मंत्री	डॉ. गुंजन झा मंत्री	श्री सुनील गुप्ता मंत्री	श्री वीरेंदर सिंह समन्वयक
श्री चन्दन कुमार समन्वयक	श्री आकाश दीप समन्वयक	श्री ध्रुव शर्मा समन्वयक	श्री भूषण तिलक समन्वयक
श्री शिवदत्त ठाकुर समन्वयक			

Join Us

Support Us

Shashwat Hindu Pratishthan | शाश्वत हिंदू प्रतिष्ठान

Delhi: MG House, A - 86, Okhla Industrial Estate Phase - II, New Delhi - 110020
www.shashwathindu.com info@shashwathindu.com
+91 86571 44149 / 8657144169

design by: 9324748833